राज्यपाल का भाषण

Namaskar,

• सम्मानित अतिथि, श्री प्रमोद बोरो जी,

• Vice Chancellor, Tezpur University, Prof. Shambhu Nath Singh ji,

• Secretary, BTC, Shri Dhiraj Saud ji,

• Vice President, Bodo Sahitya Sabha, Shri Prasanta Boro ji,

• तेजपुर विश्वविद्यालय के अतिथिगण, बीटीआर और मीडिया बिरादरी समुदाय के मित्र,

इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। तेजपुर विश्वविद्यालय और बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के बीच इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर एक महत्वपूर्ण सहयोग है। मेरा मानना है कि यह बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के साथ-साथ तेजपुर विश्वविद्यालय में योगदान की दिशा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। राज्य का शैक्षणिक एवं समग्र विकास।

इस साझेदारी को क्रियान्वित करने के लिए बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल और तेजपुर विश्वविद्यालय दोनों के नेताओं और प्रतिनिधियों को मेरी बधाई। मैं तेजपुर विश्वविद्यालय को देश का एक प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थान मानता हूं, जो अपनी शैक्षणिक कठोरता, अनुसंधान फोकस और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है।

मुझे आईईईई स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट की शुरुआत करते हुए भी खुशी हो रही है, जिसके माध्यम से झावनी गांव में स्थायी ग्रामीण सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाया जाता है। मुझे बताया गया है कि गांव को विकासात्मक उद्देश्य के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य सौर ऊर्जा संचालित संयंत्र, तेल और दाल मिलों, कोल्ड स्टोरेज सुविधा और मत्स्य पालन जैसी स्मार्ट और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण आजीविका के उत्थान में योगदान देना है।

दूसरी ओर, बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद, बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र को शामिल करते हुए, अपने लोगों के हितों की रक्षा करने और क्षेत्र में सतत विकास को चलाने में सहायक रही है। प्रगति, कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय रही है। इसलिए, तेजपुर विश्वविद्यालय और बीटीसी द्वारा हाथ मिलाने से, हम शैक्षणिक विशेषज्ञता और बौद्धिक संसाधनों के साथ आकांक्षाओं का मिलन देख रहे हैं।

मैं तेजपुर विश्वविद्यालय में बोडोफा उपेन्द्र नाथ ब्रह्मा चेयर की स्थापना देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। बोडोफा उपेन्द्रनाथ ब्रह्मा का बोडो समुदाय के लिए योगदान और उनके हितों के प्रति उनका समर्पण प्रेरणा का स्रोत है। उनकी विरासत उन लोगों के काम के माध्यम से जीवित है जो अपने समुदाय के लिए बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में प्रयास करते हैं। इसलिए, उपेन्द्रनाथ ब्रह्मा कुर्सी की स्थापना काफी समय से लंबित थी, और मुझे खुशी है कि आखिरकार हमारे पास उस महान व्यक्ति के नाम पर एक कुर्सी है। यह वास्तव में खुशी का क्षण है और मुझे उम्मीद है कि कुर्सी हमारी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मुझे खुशी है कि एमओयू में कृषि और कृषि संबंधी उत्पादों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि, बीटीआर के लोगों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। इस क्षेत्र में बहुत सारी संभावनाएं हैं जिनका या तो कम उपयोग किया गया है या व्यवस्थित रूप से उपयोग नहीं किया गया है। उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग लोगों को उनके आर्थिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकता है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि जोर देने वाले क्षेत्रों में, एक इकाई के रूप में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की स्थापना शामिल है, जो कृषि गतिविधियों को विकसित करने में मदद करेगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र तेजपुर विश्वविद्यालय को हब बनाकर बीटीआर में नॉलेज सेंटर का विकास करना और बीटीसी प्रशासन तथा डीएसटी जैसे अन्य फंडिंग स्रोतों से समर्थन प्राप्त करना है। यह हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, एएसएल का मानना है कि शिक्षा प्रगति का आधार है, और केवल निवेश से ही शिक्षा के क्षेत्र में, हम प्रत्येक व्यक्ति के भीतर मौजूद अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करने में सक्षम होंगे।

मैं यह कहकर अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं कि एमओयू केवल दस्तावेज हैं, जब तक कि आप उनके उद्देश्यों को क्रियान्वित और कार्यान्वित नहीं करते हैं। मुझे विश्वास है कि यह साझेदारी एक व्यापक प्रभाव पैदा करेगी, अन्य संस्थानों और संगठनों को हमारे राज्य की सामूहिक बेहतरी के लिए एक साथ आने के लिए प्रेरित करेगी।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं सभी हितधारकों से इस साझेदारी को पूरे दिल से अपनाने का आग्रह करता हूं। आइए हम बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र की विशाल क्षमता को उजागर करने के लिए समर्पण, दृढ़ता और उद्देश्य की साझा भावना के साथ मिलकर काम करें।

धन्यवाद।

Jai Hind

जय आई असोम